Isa

Chapter 6

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

רָם	כִּסֵּא	עַל־	יֹשֵׁב	אֲדֹנָי	אֶת־	וָאֶרְאֶה	עֻזִּיָּהוּ	הַמֶּלֶךְ	מוֹת	בִּשְׁנַת־	1
ऊंचा	सिंहासन	पर-	बैठा-हुआ	प्रभु	-को	और-मैंने-देखा	उज्जियाह-के	राजा	मृत्यु	में-वर्ष-	
	H3678		H3427	H0136	H0853	H7200	H5818	H4428	H4194	H8141	

הַהֵיכָל׃	אֶת־	מְלֵאִים	וְשׁוּלָיו	וְנִשָּׂא	
मन्दिर	-को	भरे-हुए-थे	और-उसके-वस्त्र-के-छोर	और-बुलन्द	
H1964	H0853	H4390	H7757	H5375	

जिस वर्ष राजा उज्जिय्याह की मृत्यु हुई, मैंने अपने अद्भुत स्वामी के दर्शन किये। वह एक बहुत ऊँचे सिंहासन पर विराजमान था। उसके लम्बे चोगे से मन्दिर भर गया था।

יְכַסֶּה	וּבִשְׁתַּיִם	לְאֶחָד	כְּנָפַיִם	שֵׁשׁ	כְּנָפַיִם	שֵׁשׁ	לוֹ	מִמַּעַל	וּשְׁמָרִים	שְׂרָפִים	2
वह-ढाकता-था	दो-से	प्रत्येक-के	पंख	छह	पंख	छह	उसके	ऊपर	खड़े-थे	सराफीम	
H3680	H8147	H0259	H3671	H8337	H3671	H8337		H4605	H5975		

יְעוֹפֵף׃	וּבִשְׁתַּיִם	רַגְלָיו	יְכַסֶּה	וּבִשְׁתַּיִם	פָּנָיו
वह-उड़ता-था	और-दो-से	अपने-पैर	वह-ढाकता-था	और-दो-से	अपना-मुख
	H8147	H7272	H3680	H8147	H6440

यहोवा के चारों ओर सारा‍प स्वर्गदूत खड़े थे। हर सारा‍प (स्वर्गदूत) के छः छः पंख थे। इनमें से दो पंखों का प्रयोग वे अपने मुखों को ढकने के लिए किया करते थे तथा दो पंखों का प्रयोग अपने पैरों को ढकने के लिये करते थे और दो पंखों को वे उड़ने के काम में लाते थे।

צְבָאוֹת	יְהוָה	קָדוֹשׁ	קָדוֹשׁ	קָדוֹשׁ	וְאָמַר	זֶה	אֶל־	זֶה	וְקָרָא		3
सेनाओं-का	यहोवा	पवित्र	पवित्र	पवित्र	और-कह-रहा-था	दूसरा	की-ओर-	एक	और-पुकार-रहा-था		
	H3068	H6918	H6918	H6918	H0559	H2088	H0413	H2088	H7121		

כְּבוֹדוֹ׃	הָאָרֶץ	כָּל־	מְלֹא	
उसकी-महिमा-से	पृथ्वी	सारी-	भरा-है	
H3519	H0776	H3605	H4393	

हर स्वर्गदूत दूसरे स्वर्गदूत से पुकार—पुकार कर कह रहे थे, “पवित्र, पवित्र, पवित्र, सर्वशक्तिशाली यहोवा परम पवित्र है! यहोवा की महिमा सारी धरती पर फैली है।” स्वर्गदूतों की वाणी के स्वर बहुत ऊँचे थे।

עָשָׁן׃	יִמָּלֵא	וְהַבַּיִת	הַקּוֹרֵא	מִקּוֹל	הַסִּפִּים	אַמּוֹת	וַיָּנֻעוּ	4
धुआं-से	भर-गया	और-घर	पुकारनेवाले-की	आवाज़-से	देहलीज़ों-की	चौखटें	और-हिले	
H6227	H4390		H7121				H5128	

स्वर्गदूतों की आवाज़ से द्वार की चौखटें हिल उठीं और फिर मन्दिर धुएँ से भरने लगा।

וּבְתוֹךְ	אָנֹכִי	שִׂפְתַיִם	טְמֵא־	אִישׁ	כִּי	נִדְמֵיתִי	כִּי־	לִי	אוֹי־	וָאֹמַר	5
और-बीच-में	मैं	होंठों-का	अशुद्ध-	आदमी	क्योंकि	मैं-नाश-हो-गया	क्योंकि-	मुझे	हाय-	और-मैंने-कहा	
H8432	H0595	H8193	H2931	H0376		H1820			H0188	H0559	

עֵינָי׃	רָאוּ	צְבָאוֹת	יְהוָה	הַמֶּלֶךְ	אֶת־	כִּי	יוֹשֵׁב	אָנֹכִי	שִׂפְתַיִם	טְמֵא	עַם־
मेरी-आंखों-ने	देखा	सेनाओं-के	यहोवा	राजा	-को	क्योंकि	रहता-हूं	मैं	होंठों-की	अशुद्ध	प्रजा-
	H7200		H3068	H4428	H0853		H3427	H0595	H8193	H2931	

मैं बहुत डर गया था। मैंने कहा, “अरे, नहीं! मैं तो नष्ट हो जाऊँगा। मैं उतना शुद्ध नहीं हूँ कि परमेश्वर से बातें करूँ और मैं ऐसे लोगों के बीच रहता हूँ जो उतने शुद्ध नहीं हैं कि परमेश्वर से बातें कर सकें। किन्तु फिर भी मैंने उस राजा, सर्वशक्तिमान यहोवा, के दर्शन कर लिये हैं।”

6
- וַיָּעָף — और-उड़ा
- אֵלַי — मेरी-ओर — H0413
- אֶחָד — एक — H0259
- מִן־ — से-
- הַשְּׂרָפִים — सराफीमों
- וּבְיָדוֹ — और-उसके-हाथ-में — H3027
- רִצְפָּה — जलता-कोयला
- בְּמֶלְקַחַיִם — चिमटे-से — H4457
- לָקַח — उसने-लिया-था — H3947
- מֵעַל — पर-से
- הַמִּזְבֵּחַ׃ — वेदी — H4196

वहाँ वेदी पर आग जल रही थी। उन साराप (स्वर्गदूतों) में से एक ने उस आग में से चिमटे से एक दहकता हुआ कोयला उठा लिया और

7
- וַיַּגַּע — और-उसने-छुआ — H5060
- עַל־ — पर-
- פִּי — मेरे-मुंह — H6310
- וַיֹּאמֶר — और-उसने-कहा — H0559
- הִנֵּה — देखो — H2009
- נָגַע — छूआ-है — H5060
- זֶה — यह — H2088
- עַל־ — पर-
- שְׂפָתֶיךָ — तेरे-होंठ — H8193
- וְסָר — और-दूर-हो-गया — H5493
- עֲוֺנֶךָ — तेरा-अधर्म — H5771
- וְחַטָּאתְךָ — और-तेरा-पाप
- תְּכֻפָּר׃ — प्रायश्चित्त-होगा

उस दहकते हुए कोयले से मेरे मुख को छूआ दिया। फिर उस साराप (स्वर्गदूत) ने कहा! "देख! क्योंकि इस दहकते कोयले ने तेरे होठों को छू लिया है, सो तूने जो बुरे काम किये हैं, वे अब तुझ में से समाप्त हो गये हैं। अब तेरे पाप धो दिये गये हैं।"

8
- וָאֶשְׁמַע — और-मैंने-सुना — H8085
- אֶת־ — -को — H0853
- קוֹל — आवाज़
- אֲדֹנָי — प्रभु-की — H0136
- אֹמֵר — कहती-हुई — H0559
- אֶת־ — -को — H0853
- מִי — किसे — H4310
- אֶשְׁלַח — मैं-भेजूं — H7971
- וּמִי — और-कौन — H4310
- יֵלֶךְ־ — जाएगा- — H3212
- לָנוּ — हमारे-लिए
- וָאֹמַר — और-मैंने-कहा — H0559
- הִנְנִי — यहां-हूं-मैं — H2009
- שְׁלָחֵנִי׃ — भेजो-मुझे — H7971

इसके बाद मैंने अपने यहोवा की आवाज सुनी। यहोवा ने कहा, "मैं किसे भेज सकता हूँ हमारे लिए कौन जायेगा" सो मैंने कहा, "मैं यहाँ हूँ। मुझे भेज!"

9
- וַיֹּאמֶר — और-उसने-कहा — H0559
- לֵךְ — जा — H3212
- וְאָמַרְתָּ — और-कह — H0559
- לָעָם — इस-प्रजा-को
- הַזֶּה — इस — H2088
- שִׁמְעוּ — सुनते-रहो — H8085
- שָׁמוֹעַ — सुनना — H8085
- וְאַל־ — और-मत- — H0408
- תָּבִינוּ — समझो — H0995
- וּרְאוּ — और-देखते-रहो — H7200
- רָאוֹ — देखना — H7200
- וְאַל־ — और-मत- — H0408
- תֵּדָעוּ׃ — जानो — H3045

फिर यहोवा बोला, "जा और लोगों से कह: 'ध्यान से सुनो, किन्तु समझो मत! निकट से देखो, किन्तु बूझो मत।'

10
- הַשְׁמֵן — मोटा-कर — H8080
- לֵב־ — हृदय-
- הָעָם — इस-प्रजा-का
- הַזֶּה — इस — H2088
- וְאָזְנָיו — और-उसके-कान — H0241
- הַכְבֵּד — भारी-कर — H3513
- וְעֵינָיו — और-उसकी-आंखें
- הָשַׁע — बंद-कर
- פֶּן־ — कहीं- — H6435
- יִרְאֶה — वह-देखे — H7200
- בְעֵינָיו — अपनी-आंखों-से
- וּבְאָזְנָיו — और-अपने-कानों-से — H0241
- יִשְׁמָע — वह-सुने — H8085
- וּלְבָבוֹ — और-उसका-हृदय — H3824
- יָבִין — समझे — H0995
- וָשָׁב — और-वह-फिरे — H7725
- וְרָפָא — और-चंगा-हो — H7495
- לוֹ׃ — उसे

लोगों को उलझन में डाल दे। लोगों की जो बातें वे सुनें और देखें, वे समझ न सके। यदि तू ऐसा नहीं करेगा तो लोग उन बातों को जिन्हें वे अपने कानों से सुनते हैं सचमुच समझ जायेंगे। हो सकता है लोग अपने—अपने मन में सचमुच समझ जायें। यदि उन्होंने ऐसा किया तो सम्भव है लोग मेरी ओर मुड़े और चंगे हो जायें (क्षमा पा जायें)!"

11
- וָאֹמַר — और-मैंने-कहा — H0559
- עַד־ — तक- — H5704
- מָתַי — कब — H4970
- אֲדֹנָי — हे-प्रभु — H0136
- וַיֹּאמֶר — और-उसने-कहा — H0559
- עַד — जब-तक — H5704
- אֲשֶׁר — जब
- אִם־ — यदि-
- שָׁאוּ — उजड़-जाएं — H7582
- עָרִים — नगर
- מֵאֵין — बिना — H0369
- יוֹשֵׁב — निवासी — H3427
- וּבָתִּים — और-घर
- מֵאֵין — बिना — H0369
- אָדָם — मनुष्य — H0120
- וְהָאֲדָמָה — और-भूमि — H0127
- תִּשָּׁאֶה — उजड़-जाए — H7582
- שְׁמָמָה׃ — उजाड़

मैंने फिर पूछा, “स्वामी, मैं ऐसा कब तक करता रहूँ” यहोवा ने उत्तर दिया, “तू तब तक ऐसा करता रह, जब तक नगर उजड़ न जायें और लोग नष्ट न हो जायें। तू तब तक ऐसा करता रह जब तक सभी घर खाली न हो जायें। ऐसा तब तक करता रह जब तक धरती नष्ट होकर उजड़ न जायें।”

12

וְרִחַק	יְהוָה	אֶת־	הָאָדָם	וְרַבָּה	הָעֲזוּבָה	בְּקֶרֶב	הָאָרֶץ׃
और-दूर-करेगा	यहोवा	-को	मनुष्य	और-बढ़ेगी	त्यागी-हुई	बीच-में	इस-देश-के
H7368	H3068	H0853	H0120		H5805	H7130	H0776

यहोवा लोगों को दूर चले जाने पर विवश करेगा। इस देश में बड़े—बड़े क्षेत्र उजड़ जायेंगे।

13

וְכָאַלּוֹן	כְּאֵלָה	לְבָעֵר	וְהָיְתָה	וְשָׁבָה	עֲשִׂרִיָּה	בָהּ	וְעוֹד	
और-जैसे-शाहबलूत	जैसे-बांजवृक्ष	खाने-के-लिए	और-वह-होगी	और-वह-लौटेगी	दसवां-हिस्सा	उसमें	और-अभी	
H0437	H0424		H1961	H7725	H6224		H5750	

פ	מַצַּבְתָּהּ׃	קֹדֶשׁ	זֶרַע	בָּם	מַצֶּבֶת	בִּשַׁלֶּכֶת	אֲשֶׁר
פ	उसका-ठूंठ	पवित्र-का	वंश	उनमें	ठूंठ	गिराने-में	जिसकी
	H4678	H6944	H2233		H4678	H7995	

उस प्रदेश में दस प्रतिशत लोग फिर भी बचे रह जायेंगे किन्तु उनको भी फिर से नष्ट कर दिया जायेगा क्योंकि ये लोग बांजवृक्ष के उस पेड़ के समान होंगे जिसके काट दिये जाने के बाद भी उसका तना बचा रह जाता है और ये (बचे हुए लोग) उसी तने के समान होंगे जो फिर से फुटाव ले लेता है।